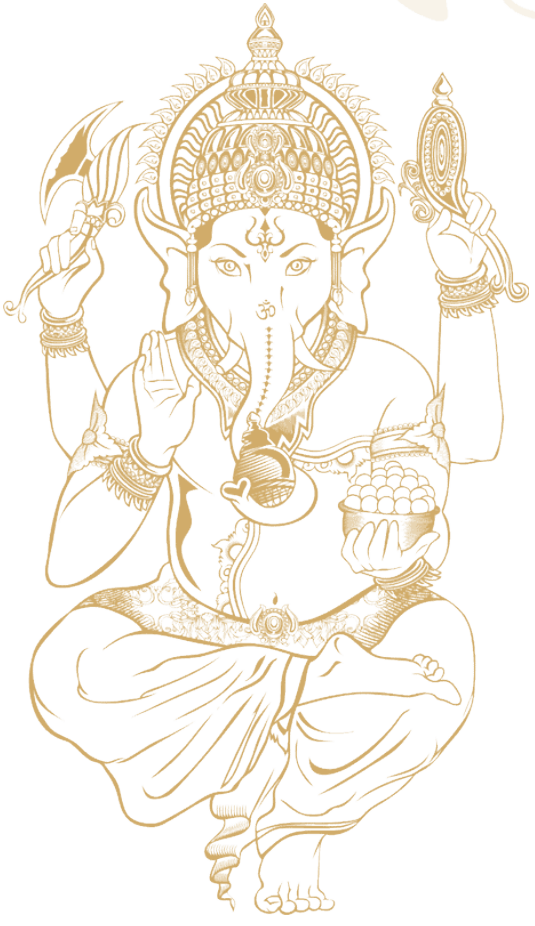

Pratyaksh

Rosy

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120810103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/10/1997	जन्म तिथि	19/07/1995
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 20:50:00	जन्म समय	12:00:00 घंटे
घटी 36:29:22	जन्म समय(घटी)	16:02:07 घटी
India	देश	India
Faridabad	स्थान	Kurukshetra
28:24:00 उत्तर	अक्षांश	29:59:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	76:51:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:22:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:14:15	सूर्योदय	05:33:36
18:05:42	सूर्यास्त	19:23:41
23:49:28	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:51

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 8मा 1दि	08:41:22	वृष	लग्न	कन्या	24:24:41	केतु 6वर्ष 11मा 5दि
गुरु	15:38:24	कन्या	सूर्य	कर्क	02:20:40	सूर्य
04/06/2021	25:51:54	कन्या	चंद्र	मेष	00:07:53	24/06/2022
04/06/2037	08:46:23	वृश्चि	मंगल	कन्या	04:57:30	23/06/2028
गुरु 23/07/2023	06:54:10	कन्या	बुध	मिथु	22:12:08	सूर्य 11/10/2022
शनि 03/02/2026	18:19:10	मक व	गुरु व	वृश्चि	12:03:05	चन्द्र 12/04/2023
बुध 11/05/2028	29:45:17	तुला	शुक्र	मिथु	23:20:41	मंगल 18/08/2023
केतु 16/04/2029	23:40:35	मीन व	शनि व	मीन	00:48:58	राहु 11/07/2024
शुक्र 16/12/2031	25:54:21	सिंह व	राहु व	तुला	07:48:33	गुरु 30/04/2025
सूर्य 04/10/2032	25:54:21	कुंभ व	केतु व	मेष	07:48:33	शनि 12/04/2026
चन्द्र 03/02/2034	10:58:12	मक व	हर्ष व	मक	04:47:47	बुध 16/02/2027
मंगल 10/01/2035	03:22:02	मक व	नेप व	मक	00:18:33	केतु 24/06/2027
राहु 04/06/2037	09:41:22	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	04:07:54	शुक्र 23/06/2028

लग्न-चलित

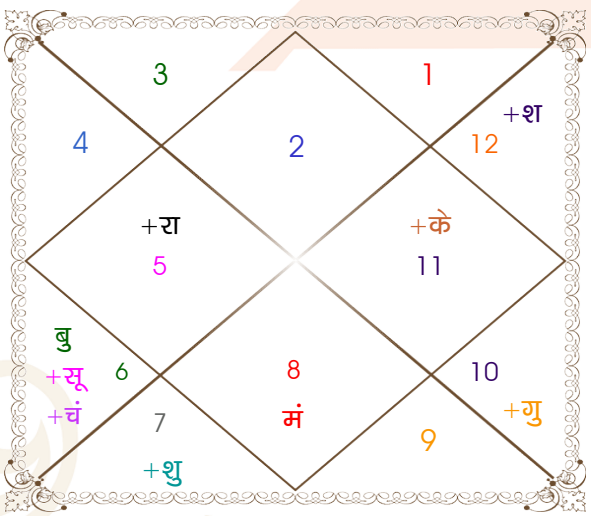

लग्न-चलित

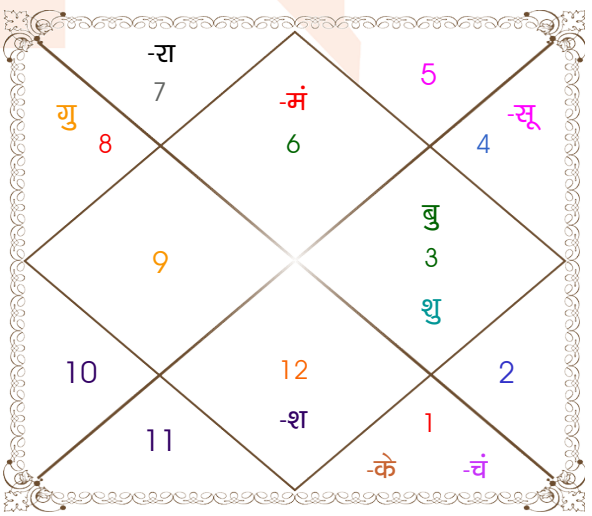

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

च्तंजलीी का वर्ग मूषक है तथा Rosy का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्तंजलीी और Rosy का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तंजलीी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्तंजलीी कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Rosy मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Rosy कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि च्तंजलीी कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

च्तंजलीी तथा Rosy में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।